पाठ-योजना

अध्यापिका/अध्यापक :

पुस्तक : उड़ान हिंदी पाठमाला भाग-8

विषय : हिंदी **दिनांक** : .....

उपविषय : सत्साहसी, पाठ-18 **अवधि** : 3-4 वादन

पाठ संख्या	सुनना, बोलना और पढ़ना	चिंतन	लिखना	गतिविधियाँ	जीवन मूल्य तथा पारिवारिक, सामाजिक व राष्ट्रीय चेतना
18.	पठन-पाठन, शुद्ध उच्चारण, प्रश्नोत्तर, सुनना-सुनाना, घटना स्मरण, चरित्र-चित्रण, सार ग्रहण।	कारण, चारित्रिक संदेश, विशेषता, प्रतिक्रिया, निष्कर्ष, सही चयन।	सही-गलत वाक्य बताना, सर्वनाम के भेद, वाक्य-रचना, संज्ञा, विशेषण छाँटना, गद्यांश पर आधारित, अति लघु, लघु तथा निबंधात्मक प्रश्न।	संवाद, पत्र-लेखन, जीवनियाँ पढ़ना तथा अपने विचार प्रकट करना।	परोपकार, नि:स्वार्थ कर्तव्यशील, साहसी।

सामान्य उद्देश्य :

1. छात्रों में शुद्ध वाचन तथा पढ़ने-लिखने के कौशल का विकास करना।
2. अपने विचारों को सही प्रकार से प्रकट करने का ज्ञान व अभ्यास कराना।
3. वर्तनी संबंधी अशुद्धियों को दूर करने का प्रयास करना।
4. छात्रों के शब्द भंडार में वृद्धि करना।
5. प्रश्नों के उत्तर को भली-भाँति लिखने का अभ्यास कराना।

विशिष्ट उद्देश्य :

1. इस पाठ के माध्यम से सत्साहस के बारे में जानकारी देना कि सत्साहस क्या है? तथा सत्साहस और दुस्साहस में अंतर बताना।
2. वाक्य के प्रकार से अवगत कराना, संज्ञा और विशेषण छाँटना तथा सर्वनाम के भेद की पहचान कराना।

सहायक सामग्री : श्यामपट्ट, चॉक, डस्टर, चार्ट आदि।

पूर्वज्ञान-परीक्षा : अध्यापिका/अध्यापक छात्रों की पूर्वज्ञान परीक्षा लेने के लिए छात्रों से पूछेंगे कि साहस से क्या तात्पर्य है? साहस के द्वारा हम क्या कर सकते हैं? संसार के सभी महापुरुष कैसे थे? आदि।

उद्देश्य-कथन : अध्यापिका/अध्यापक प्रश्नों के उत्तर संतोषजनक या असंतोषजनक पाकर अपने उद्देश्य की घोषणा करेंगे कि बच्चो, आज हम 'सत्साहसी' पाठ-18 का अध्ययन करेंगे।

शिक्षण-बिंदु : 'सत्साहसी' पाठ-18 के प्रश्नों के उत्तर छात्रों की सहायता लेते हुए कराए जाएँगे।

अध्यापिका/अध्यापक क्रियाएँ	छात्र-क्रियाएँ
प्र.1. साहस के बिना क्या नहीं हो सकता?	उ. साहस के बिना कोई भी बड़ा-छोटा काम नहीं हो सकता है।
प्र.2. साहस कितने श्रेणी के होते हैं?	उ. साहस तीन श्रेणी के होते हैं। (1) निम्न श्रेणी, (2) मध्यम श्रेणी, (3) सर्वोच्च श्रेणी।
प्र.3. सत्साहसी में कौन-सी शक्ति होती है?	उ. सत्साहसी में एक गुप्त शक्ति होती है।

पाठ पढ़ाने के पश्चात–

मौखिक : सर्वप्रथम अध्यापिका/अध्यापक कठिन शब्दों का उच्चारण कराएँगे तथा पाठ से संबंधित मौखिक प्रश्न पूछेंगे।

जैसे– प्र. सत्साहसी व्यक्ति के आस–पास भय नहीं फटकता क्यों?

उ. सत्साहसी व्यक्ति के शब्दकोष में भय नाम का कोई शब्द विद्यमान नहीं होता है। अर्थात सत्साहसी व्यक्ति की नज़र में भय कुछ नहीं होता है।

इसी प्रकार से सभी प्रश्नों को मौखिक रूप में पूछेंगे।

कॉरडोवा सी.डी. (CD) के माध्यम से मूलपाठ सहित पाठ को दर्शाएँगे।

लिखित : प्रत्येक प्रश्नों के उत्तर लिखित रूप में करवाने से पहले मौखिक रूप में पूछेंगे। तत्पश्चात लिखवाएँगे।

1. वाक्यों को भली–भाँति समझाएँगे। तत्पश्चात ✓ या ✗ का निशान लगवाएँगे।
2. वाक्यों को पढ़ाकर वाक्य के उचित भेद में सही (✓) का निशान लगवाएँगे।
3. वाक्यों में संज्ञा शब्दों को रेखांकित और विशेषण शब्दों को गोला करवाएँगे।
4. सर्वनाम के भेदों की परिभाषा बताएँगे। तत्पश्चात वाक्यों में सर्वनाम को रेखांकित करवाकर उसके भेद लिखवाएँगे।
5. **कॉरडोवा सी.डी. (CD)** के माध्यम से संकेत गद्यांश के अंशों को दर्शाएँगें। उसके बाद प्रश्नों के उचित उत्तर में सही (✓) का निशान लगवाएँगे।
6. अति लघु, लघु तथा निबंधात्मक प्रश्नों को भली–भाँति समझाएँगे। तत्पश्चात प्रश्नों के उचित उत्तर लिखवाएँगे।

आओ अब कुछ बात करें : गणेश शंकर विद्यार्थी के जीवन काल से संबंधित विषय पर संवाद करवाएँगे।

परियोजना निर्माण : 'सत्साहसी व्यक्ति' पर अपने विचार लिखने के लिए कहेंगे।

अपने मित्र को साहसी और कर्तव्यशील होने का संदेश देते हुए पत्र लिखने के लिए कहेंगे।

निष्कर्ष : बच्चों ने सत्साहसी के बारे में विस्तारपूर्ण जानकारी हासिल की।

वाक्य के प्रकार तथा सर्वनाम के भेद की पहचान की तथा संज्ञा और विशेषण को जाना।

कक्षा–कार्य निरीक्षण : अध्यापिका/अध्यापक कक्षा में छात्रों को लिखवाए गए प्रश्नों के उत्तर का निरीक्षण करेंगे तथा अशुद्धियों को ठीक कराएँगे।